

# जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

संस्कृत पद विषयक कुलसंचित जीवाजी  
विश्वविद्यालय के नाम से दी जिसा जारी न  
कि इसी अप्य विषयकी के नाम हो।  
ग्वालियर विषय पद विषय पूर्व में यह  
विषय कुमा के तो एवं छांग एवं विषय  
उच्चर विषय जैसे निम्नतर विषय हो।



नाम : जीवाजी  
दर्शन : 0091-(0751)-2442801  
(फ्रेंच)

2442462 (फ्रेंच)

फ़ैक्ट : 0091-0751-2241760

E-mail : jivaj\_gwl@rediffmail.com  
Website : <http://www.jiwaji.edu>

प्रधानक :  
कुलसंचित,  
जीवाजी विश्वविद्यालय  
ग्वालियर

प्रमाणित : एकांसम्बन्धता/2012/5669

दिनांक : 13/12/12

## // अधिसूचना //

विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 की धारा 26(i)(v) एवं 24(xii) के अन्तर्गत कार्यपादिष्ट की  
बैठक दिनांक 07 अगस्त, 2012 के पद क्रमांक (02) के निष्पात्तुरात द्वामी श्री उमकृष्ण पञ्चदंग  
महाविद्यालय, मुरैना मांड, मुरैना को उत्त 2012-13 के लिये प्रत्यक्षतांत्रित जी.टी.ए. ड्विलीय वर्ष,  
जी.कॉर्ज. ड्विलीय वर्ष, लेनकम्प्यूटर एफीलेज, जी.ए. ड्विलीय वर्ष, आ.पा., हरिहरल, समाजशास्त्र, एवं  
हिन्दी साहित्य, पाठ्यक्रम ये लिये अस्वार्थ सम्बन्धता विषय शार्तों के साथ प्रदान की जाती हैं।

### शर्त/प्रतिबंध :-

1. शासन द्वारा लिपिरित अधिक के अन्तर्गत महाविद्यालय का उत्तर जा भवन विकास किया जाए।
2. 28(17) के अन्तर्गत प्राचारण, शैक्षणिक दर्तने, त्रैश अधिकारी और पुस्तकालयालय की  
विस्तृति की जाए।
3. खेल मैदान को लिजी भूमि (महाविद्यालय) में विकासित किया जावे।
4. पुस्तकालय में प्रत्येक पाठ्यक्रम की 50-50 पुस्तकें क्रय कर रखी जावे। जो मानक उत्तर ही  
हो।
5. कम्प्यूटर लैंब को विकासित कर ऐश्वर्यक साफ्टवेयर ली जावे। कम्प्यूटरों पर  
महाविद्यालय का नाम लिखा जावे।
6. 28(17) के अन्तर्गत विस्तृतार्थों कर ली जावे।
7. समय-समय यह शारीरिक कार्य की बैठकें आयोजित की जावे।

सीठ रंगना : जी.ए.-६०, जी.कॉर्ज.एन-६०, जी.कॉर्ज. कम्प्यूटर सार्केंट-६०, जी.टी.ए.-३६०

आदेशानुसार

### प्रति,

1. प्राचारण, निवासी श्री रामकृष्ण यारमहेस महाविद्यालय, मुरैना मांड, मुरैना
2. आनुकूल, अध्यापकेश शासन, उच्च लिया विभान, उत्तुरा अवन, भोपाल।
3. शैक्षणिक अनिवार्य तंत्रज्ञान, गण्यपद्मेश शासन, उच्च लिया विभान, ग्वालियर-केल रमाय, गोदावरी गड्ढ
4. नव-कृत्तिविषय (प्रौद्योगिकीय) निवासी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
5. अधीक्षक, परीक्षा कक्ष क्रमांक-८३, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की ओर सुनार्थ एवं आवश्यक  
करानामी हेतु।